



Essay on Beti Bachao Beti Padhao Scheme

Key Points

1. Introduction

- 1) Launched by the PM Narendra Modi on **22nd of January 2015**.
- 2) A scheme of the Ministry of Women and Child Development, Ministry of Health and Family Welfare and Ministry of Human Resource Development
- 3) To improve drastic condition of girl child in the Indian society. To create awareness among people and address the issue of declining child sex ratio.
- 4) CSR - **927/1000** in 2001, reduced to **918/1000** in 2011.
- 5) A girl child faces discrimination in terms of education, health, nutrition, safety, rights, and other needs.
- 6) A way to achieve positive changes in our negative mindset for girls.

2. Body

- 1) This scheme has two components – Mass communication and multi sectoral action in **100** districts.
- 2) Initial corpus of **100** crore. **Sakshi Malik** (Olympic medalist) was made brand ambassador.
- 3) Sex selective abortion, female feticide and female infanticide has reduced CSR.
- 4) Dowry system and other social evils have made female child a burden (social thinking). **Sukanya Samridhi Yojana** for financial help. Free education for girl child.
- 5) We should celebrate the birth of a girl child. Promote equality. Equal opportunity to girl child.
- 6) Provide safe and violence free environment to girls.
- 7) Efforts to eradicate social evils like Dowry and child marriage.
- 8) Encourage women for higher education, jobs, sports, business etc.

3. Conclusion

- 1) We need mobilization and large scale social campaign (**Selfie with Daughter**).
- 2) Education at village level and proper implementation of government schemes.
- 3) This scheme is very important for personal and professional development of women and to prevent the infringement of the interests of girls as a result of outdated and conservative thoughts.
- 4) Such initiatives will surely change the deplorable condition of girls in our society.

बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजना पर निबंध

1. Introduction

- 1) 22 जनवरी 2015 को प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा शुरू किया गया।
- 2) महिला और बाल विकास मंत्रालय, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय और मानव संसाधन विकास मंत्रालय की एक योजना
- 3) भारतीय समाज में लड़कियों की स्थिति में सुधार
- 4) लोगों के बीच जागरूकता पैदा करने और बाल लिंग अनुपात में गिरावट कम करना।
- 5) 2001 में सीएसआर - 927/1000, 2011 में 918/1000 तक
- 6) शिक्षा, स्वास्थ्य, पोषण, सुरक्षा, अधिकार, और अन्य आवश्यकताओं के मामले में लड़कियों को भेदभाव का सामना करना पड़ता है।
- 7) लड़कियों के लिए हमारी नकारात्मक मानसिकता में परिवर्तन करने का एक माध्यम है

2. Body

- 1) इस योजना के दो घटक हैं - 100 जिलों में जनसंचार और विभिन्न क्षेत्रों में कार्य करना।
- 2) 100 करोड़ के प्रारंभिक कॉर्पस , साक्षी मलिक (ओलंपिक पदक विजेता) को ब्रांड एंबेसडर बनाया गया।
- 3) कन्या भ्रूणहत्या और महिला शिशुहत्या ने सीएसआर को कम कर दिया है।
- 4) दहेज प्रणाली और अन्य सामाजिक बुराइयों ने कन्याओं को बोझ (सामाजिक सोच) बना दिया है।
- 5) वित्तीय सहायता के लिए सुकन्या समृद्धि योजना लड़की के लिए मुफ्त शिक्षा
- 6) हमें एक लड़की के जन्म का जश्न मानना चाहिए।
- 7) समानता को बढ़ावा देना लड़की के लिए समान अवसर लड़कियों को सुरक्षित और हिंसा मुक्त वातावरण प्रदान करें
- 8) दहेज और बाल विवाह जैसी सामाजिक बुराइयों को खत्म करने के प्रयास
- 9) उच्च शिक्षा, रोजगार, खेल, व्यवसाय आदि के लिए महिलाओं को प्रोत्साहित करें।

3. Conclusion

- 1) हमें बड़े पैमाने पर सामाजिक अभियान (बेटी के साथ सेफी) की जरूरत है
- 2) ग्रामीण स्तर पर शिक्षा और सरकारी योजनाओं का उचित कार्यान्वयन
- 3) यह योजना महिलाओं के व्यक्तिगत और व्यावसायिक विकास के लिए बहुत महत्वपूर्ण है और पुरानी और रूढ़िवादी विचारों के परिणामस्वरूप लड़कियों के हितों के उल्लंघन को रोकने के लिए है।
- 4) इस तरह की पहल से हमारे समाज में लड़कियों की दुर्दशाजनक स्थिति में निश्चित रूप से बदलाव आएगा।